ISSN 0970-9312

प्राथमिक शिक्षक

वर्ष 41 **अंक 3** **जुलाई 2017**

इस अंक में

संवाद 3

लेख

1.	सतत एवं समग्र मूल्यांकन अभिप्राय एवं कार्यविधि	संध्या संगई	5
2.	बच्चों को किसी कक्षा में नहीं रोके जाने का औचित्य सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के संदर्भ में	मीना सहरावत	12
3.	बच्चों की जीवंतता का आधार — कहानी	रमेश कुमार	17
4.	अस्मिता पर प्रहार करती कहावतें	सुरभि चावला	22
5.	लैंगिक समानता की अवधारणा और महिला शिक्षक की भूमिका	चित्रा सिंह	29
6.	प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों की कला के प्रति अभिरुचि का अध्ययन	पतंजलि मिश्रा भूपेन्द्र सिंह	38
7.	शिक्षक शिक्षा का उद्देश्य — सिखाने की तकनीकों का ज्ञान या बाल हृदय की गहराइयों की समझ?	शारदा कुमारी	49
8.	बाल नाट्य साहित्य — लेखन और महत्त्व	मेहराज अली	55
9.	प्रारंभिक बाल शिक्षा – क्या, क्यों और कैसे?	पद्मा यादव	63

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी NCERT

विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

परस्पर आवेष्टित हंस राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) के कार्य के तीनों पक्षों के एकीकरण के प्रतीक हैं–
(i) अनुसंधान और विकास,
(ii) प्रशिक्षण, तथा (iii) विस्तार।
यह डिज़ाइन कर्नाटक राज्य के रायचूर ज़िले में मस्के के निकट हुई खुदाइयों से प्राप्त ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी के अशोकयुगीन भग्नावशेष के आधार पर बनाया गया है।
उपर्युक्त आदर्श वाक्य *ईशावास्य उपनिषद्* से लिया गया है जिसका अर्थ है–
विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

विशेष

10. प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण अध्ययन सीखने के प्रतिफल (कक्षा III से V) — 76

बालमन कुछ कहता है

11. हमें फूल नहीं तोड़ने चाहिए — ज़ैद अहमद — 90

कविता

12. पहाड़ की बेटी — आभा मलिक — 91